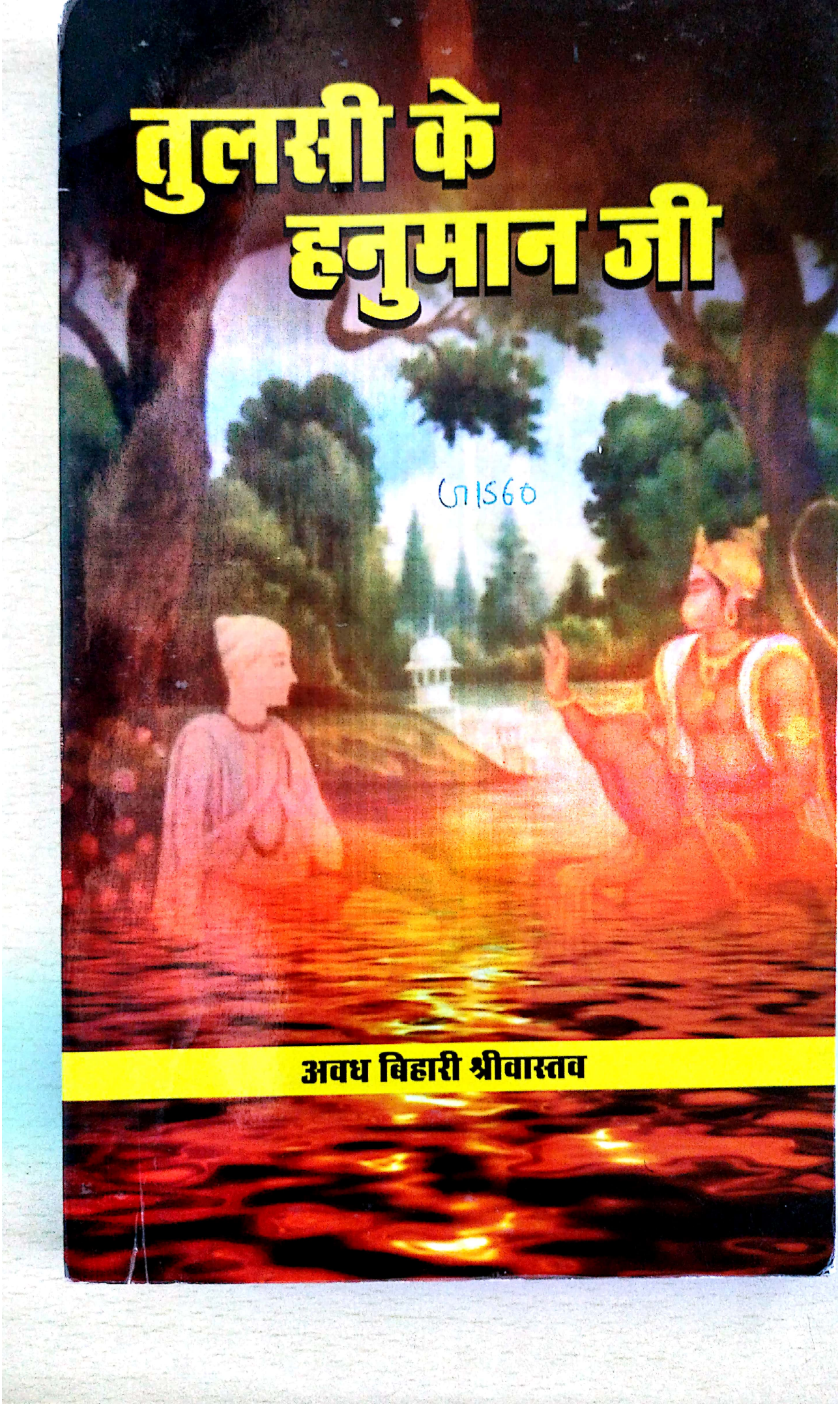

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

RAVEENA PRAKASHAN
RAVEENA PRAKASHAN OPC PVT LTD
C - 316 /11, Ganga Vihar, Delhi - 110094

Call us :
+ 91- 8700774571, 9205127294
+ 91 - 8700766619, 9958472570

Mail us :
raveenaprakashan@gmail.com

ALL RIGHT RESERVED

Rs.200.00

●अपनी किताब प्रकाशन हेतु सम्पर्क करें.
For Book Publishing Guidance
Call us : 09205127294,08700774571
Call us : 08700766619,09958472570
Or mail us: raveenaprakashan@gmail.com

मुद्रक: विमल प्रेस, दिल्ली
कापीराइट:अवध बिहारी श्रीवास्तव

Scanned with OKEN Scanner

G1560

तुलसी के हनुमान जी

अवध बिहारी श्रीवास्तव

रवीना प्रकाशन, दिल्ली-110094

Scanned with OKEN Scanner

G1560

अनुक्रम

1–रघुपति प्रिय भक्तं नमामि	4
2–अपनी बात	7
3–भूमिका	13
4–मंगलाचरण	15
5–श्री हनुमान जी का जन्म तथा बाल लीलाएँ	21
6–भक्ति और ज्ञान के स्रोत हनुमान जी	26
7–श्री राममय हनुमान जी	31
8–श्री तुलसीदास द्वारा हनुमान जी की स्तृति तथा बंदना–	35
9–तुलसी के प्रबोधक श्री हनुमान	42
10–तुलसी द्वारा श्री हनुमान जी की कीर्ति का वर्णन	46
10–श्री हनुमान जी द्वारा श्री राम नाम साधना	49
11–श्री हनुमान जी द्वारा श्री राम कथा का शुभारंभ	53
12–सेवा के आदर्श प्रतिमान श्री हनुमान जी	59
13–श्री हनुमान जी की सेवा भक्ति	64
14–श्री हनुमान जी के वियोग में श्री राम का प्रलाप	69
15–श्री हनुमदुपासना की व्यापकता	74
16–श्री हनुमान जी की पारलौकिकता	79
17–श्री हनुमान जी के कुछ हृदयस्पर्शी प्रसंग	83
18– वेदशास्त्रों में वर्णित हनुमान जी का पुण्य चरित्र	88
19– बुन्देली लोक भाषा में तुलसी के हनुमान	92
20– सर्वकाम फलप्रद श्री हनुमान–अष्टोत्तरशत नामावली	95
21– श्री हनुमान जी की आरती	98
22–ओरछा राज्य के हनुमान जी के प्राचीन विग्रह एवं धार्मिक आयोजन–	100

Scanned with OKEN Scanner

परिशिष्ठ

1–श्री हनुमान चरित(श्री हनुमान जी की उत्तपत्ति एवं बाल अवस्था)
– श्री अवध बिहारी खरे

2–बुन्देलखण्ड में रामभक्त हनुमान जी के प्राचीन विग्रह एवं पूजा परम्परा
श्री हरिविष्णु अवस्थी

3–वेद की दृष्टि में हनुमान श्री हनुमान जी का स्वरूप–
आचार्य दुर्गा चरण शुक्ल

4–श्री हनुमान जी के कुछ अनोखे प्रसिद्ध मंदिर–
राजीव नामदेव 'राना लिधौरी'

Scanned with OKEN Scanner

G1560

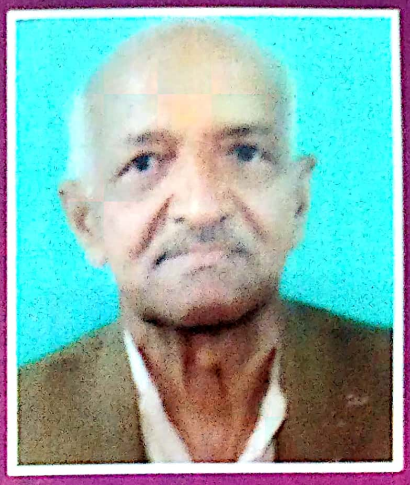

<u>लेखक परिचय</u>

अवध बिहारी श्रीवास्तव

नाम– अवध बिहारी श्रीवास्तव
जन्म– 15 जुलाई 1942
पिता– स्व.विश्वनाथ श्रीवास्तव
धर्मपत्नी– श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव
भाई– श्री महेश प्रसाद श्रीवास्तव
संतान– श्रीकांत एवं वेद प्रकाश (द्वय पुत्र),श्रीमति विनीता (पुत्री)
शिक्षा– बी.ए.
विधा– कविता,कहानी,दोहा, नाटक व आलेख।
कृतियाँ– 1. 'मीरा चरितामृत (कविता संग्रह) सन्–2010
2–'तुलसी के हनुमान' (सन्–2020) आपके हाथों में।

अप्रकाशित–1.'दोहा दीपिका' (दोहा संग्रह) 2. 'भरत चंद्रिका' (कविता संग्रह) 3. 'सत्यवीर हरिशचन्द्रं' (नाटक संग्रह) 4. 'सूर्य मंदिर कोणार्क' (कविता संग्रह) 5. 'महारानी लक्ष्मी बाई' (कविता संग्रह) 6. 'हनुमान नाटक' (नाटक संग्रह) 7. 'सीता पुनि बोली' (कहानी संग्रह)
प्रकाशन– 'आकांक्षा' पत्रिका टीकमगढ (संपादक–राजीव नामदेव 'राना लिधौरी'),'मीरायन'(चित्तौडगढ़) सहित देश की विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशन।
सम्मान–'दोहा श्री सम्मान'–2015 म.प्र.लेखक संघ जिला–इकाई टीकमगढ़ द्वारा
सदस्य–साहित्यिक'संस्था म.प्र.लेखक संघ' जिला इकाई टीकमगढ़ के वरिष्ठ सक्रिय सदस्य
सम्प्रति– शिक्षक के पद से सेवानिवृत (1966–2004)

पता– नये बस स्टैण्ड के पास,टीकमगढ़,जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 472001
मोबाइल– 09981784032, 8720020488

ISBN978-81-945668-2-3
9 788194 566823

Raveena Prakashan

Rs.200.00

Scanned with OKEN Scanner